''वंदे गंगा'' जन अभियान के तहत जल संरक्षण का संकल्प लिया

श्रमदान, दीप प्रज्वलन और जन भागीदारी से जल बचाने का संदेश गूंजा

नसीराबाद, (निसं)। गंगा दशहरा के उपलक्ष में नसीराबाद नगरपालिका द्वारा आयोजित वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस आयोजन में प्रशासन, नगरपालिका और आमजन ने मिलकर जल संरक्षण और स्वच्छता का संदेश दिया। कार्यक्रम की शुरुआत उपखंड अधिकारी देवीलाल यादव, अधिशासी अधिकारी पिंटू लाल जाट और तहसीलदार ममता यादव द्वारा डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर की गई। इसके बाद तीनों अधिकारियों ने स्वयं श्रमदान कर सफाई अभियान में भाग लिया, जिससे समाज को स्वच्छता और जल बचाने का सीधा संदेश मिला। लाल डिग्गी तालाब पर दीप प्रज्वलित कर सरोवर की पूजा की गई और सभी उपस्थित लोगों को जल संरक्षण की शपथ दिलाई गई।

उपखंड अधिकारी देवीलाल यादव, अधिशासी अधिकारी पिंटू लाल जाट और तहसीलदार ममता यादव ने स्वयं श्रमदान कर सफाई अभियान में भाग लिया।

- **डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अभियान की शुरुआत की गई**

उपखंड अधिकारी ने बताया कि नसीराबाद क्षेत्र में जल संरक्षण को लेकर कई कदम उठाए जा रहे हैं। इस क्रम में 19 जून 2025 को खापरी रोड, तलाई और हाउसिंग बोर्ड क्षेत्र में जल स्त्रोतों की सफाई और मरम्मत की जाएगी। साथ ही पौधारोपण, रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम की सफाई, महापुरुषों की मूर्तियों की सफाई, नो प्लास्टिक डे का आयोजन और कचरा निस्तारण जैसे कार्य भी किए जाएंगे।

इस अवसर पर नगरपालिका के सभी अधिकारी, कर्मचारी, स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं, स्वच्छता मित्र, और स्थानीय नागरिक मौजूद रहे। कार्यक्रम ने यह स्पष्ट किया कि जल संरक्षण केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि हर नागरिक का दायित्व है।

इस आयोजन में नवीन रियाड, महेन्द्र सिंह चौहान, ललिता वैष्णव, लीलाधर भाटी, आकाश घुस्सर, पूजा गुर्जर, अक्षय सोनी, प्रासुख रियाड, उपदेश कुमार शर्मा, मनीष कुमार मीणा, सुरेन्द्र कुमार जाट, रविकांत लाखन सहित कई कर्मचारी और सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अजमेर जेएलएन अस्पताल की ओपीडी से बच्चा लापता

अस्पताल स्टाफ की सतर्कता से बच्चा मिल गया

अजमेर, (कासं)। संभाग के सबसे बड़े जवाहरलाल नेहरू अस्पताल में उस समय हडक़ंप मच गया, जब ओपीडी से गुरुवार सुबह साढ़े तीन साल का बच्चा गुम होने की सूचना मिली। अस्पताल प्रशासन को सूचना मिलते ही प्रशासन हरकत में आया और अस्पताल के सभी चारों गेट बंद करवा दिए। गार्ड और प्रशासन ने बच्चे की पूरे हॉस्पिटल में तलाश की, लेकिन गनीमत रही कि अस्पताल स्टाफ की सतर्कता से बच्चा सही सलामत मिल गया। तब अस्पताल प्रशासन ने राहत की सांस ली। और बच्चे को माता-पिता के सुपुर्द कर दिया।

- **ओपीडी में भीड़ ज्यादा होने के कारण बच्चा अपने माता-पिता से बिछड़ गया था**

जानकारी के अनुसार फॉयसागर रोड निवासी चंदन यादव अपनी पत्नी के साथ डॉक्टर को दिखाने के लिए जेएलएन हॉस्पिटल की ओपीडी में पहुंचे थे। इस दौरान दोनों पति-पत्नी अपने साढ़े तीन साल के बच्चे को भी साथ लाए थे। बच्चा भीड़ ज्यादा होने के कारण माता-पिता से बिछड़ गया। मां ने जब अपने बेटे को नहीं देखा तो पति को उसकी जानकारी दी गई। पति-पत्नी हॉस्पिटल अधीक्षक के कक्ष में पहुंचे और बच्चा गुम होने की जानकारी दी। कुछ ही देर में बच्चे के गायब होने का पता चलते ही मां का बुरा हाल हो गया। वह रोती-बिलखती इधर-उधर अपने बेटे को तलाशने लगी। पिता भी हड़बड़ाते हुए अस्पताल परिसर में पुलिस चौकी पहुंचा और बच्चे की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई।

जेएलएन अस्पताल डॉ. अरविंद खरे, प्राचार्य डॉ. सामरिया आदि ने बच्चे को मां को सौंपा।

अस्पताल के गेट कराए बंद :- वहीं अस्पताल अधीक्षक डॉ. अरविंद खरे ने सूचना मिलते ही गेट बंद करवाए गए और सुरक्षा गार्ड को अलर्ट किया। सीसीटीवी कैमरों की भी मदद ली गई। हर वार्ड, कॉरिडोर, सीढ़ियों और बाथरूम में भी गार्डों ने तलाशी अभियान शुरू कर दिया। प्रिंसिपल डॉक्टर अनिल सामरिया ने कहा कि अस्पताल इलाज के लिए आने वाले परिजन जरूरत पड़ने पर ही अपने बच्चों को साथ लेकर आए, वरना उन्हें घर पर ही रखें क्योंकि अस्पताल में संभाग भर से से मरीज दिखाने आते हैं, इसलिए भीड़ अधिक रहती है।

बच्चे को गले लगाकर रोई मां :- करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद एक सुरक्षा गार्ड को बच्चा अस्पताल के फर्स्ट फ्लोर पर अकेला घूमता हुआ मिल गया। बच्चे को सुरक्षित देखकर पूरे अस्पताल प्रशासन और परिजन ने राहत की सांस ली। मां पूजा ने बताया कि वह डॉक्टर के पास जांच करवाने के लिए गई थी। तभी वह अपने पिता के साथ था। इस दौरान भीड़ में बेटे का हाथ छूट गया। जब बेटा पास नहीं था तब ऐसा लगने लगा कि मेरा जीना ही बेकार है। मैं अपने बाबू को भी संभाल नहीं पाई। मां ने बताया कि मैं अब अपने बेटे को कभी भी अपने से दूर नहीं करूंगी। मैं बच्चों के बिना जी नहीं सकती थी। अब से उसे एक मिनट भी दूर नहीं रखूंगी। मां ने रोते हुए बेटे को गले लगा लिया और पिता ने अस्पताल स्टाफ का धन्यवाद कहा।

डॉ. अरविंद खरे, अधीक्षक जेएलएन अस्पताल का कहना है कि अस्पताल की ओपीडी से बच्चे के लापता होने की सूचना मिली थी, अस्पताल के मुख्य गेटों को बंद करा तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया था। गनीमत रही कि बच्चा सही सलामत मिल गया।

सवारियों से भरी बस पर हमला, यात्री घायल

पाली, (नि.सं.)। पाली में बुधवार देर शाम को सवारियों से भरी एक निजी बस पर लाठी-सरिया लेकर आए 5-6 युवकों ने हमला कर बस में बुरी तरह तोड़फोड़ की। अचानक हुए इस हमले में यात्री घबराए गए। दो यात्रियों को चोटें भी आई। मामले में पुलिस ने 4 युवकों को हिरासत में लिया है। इधर घबराए यात्री दूसरी बस का इंतजार करते नजर आए।

- **हमले में बस में सवार करीब 32 यात्री घबरा गये,**
- **आरोप है कि रूट पर बस चलाने को लेकर दूसरे ट्रेवल्स वाले ने हमला करवाया है**

पुलिस ने मामले में चार युवकों को हिरासत में लिया।

पाली के टीपी नगर थाने के ओमप्रकाश चौधरी ने बताया कि सोमनाथ ट्रेवल्स की एक बस पीसांगन से सूरत जा रही थी। नया गांव ओवरब्रिज के पास बुधवार रात करीब साढ़े आठ बजे बस जैसे ही स्पीड ब्रेकर पर स्लो हुई, 5-6 युवक लाठी-सरिया लेकर दौड़ते हुए आए और बस के शीशे तोड़ने लग गए। अचानक हुए इस हमले में बस में सवार करीब 32 यात्री घबरा गए और सीट छोड़ कर बस की गैलेरी में आ गए। फिर भी 2 यात्री चोटिल हो गए। हमले के कारण बस में सवार यात्री घबरा गए और जोर जोर से चिल्लाने लगे। सूचना पर ट्रांसपोर्ट नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और भाग रहे 4 युवकों को पकड़ा। जिन्होंने अपना नाम गोटन (मेड़ता सिटी) निवासी नरेंद्र पुत्र हरिसिंह, कसवा की ढाणी गोटन (मेड़ता सिटी) के सुनील पुत्र रामरख, जेके रोड गोटन (मेड़ता सिटी) निवासी लक्ष्मण पुत्र ओमाराम और टुकलिया गोटन (मेड़ता सिटी) निवासी दीनाराम पुत्र मांगीलाल बताया। जिन्हें गिरफ्तार कर पाली के बांगड़ हॉस्पिटल से मेडिकल करवाया। पुलिस को प्रारंभिक जांच में सामने आया कि इस रूट पर चलने वाली दूसरी ट्रेवल्स वाले ने रूट को लेकर रंजिश के चलते कुछ युवकों को भजे कर हमला करवाया। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है।

अफीम सहित एक गिरफ्तार

टोंक, (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान के निर्देशन में पुलिस थाना मेहन्दवास द्वारा कार्रवाई को अंजाम दिया गया। इस दौरान राजेश कुमार विद्यार्थी वृताधिकारी टोंक व मेहन्दवास थानाधिकारी ओमप्रकाश चौधरी के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा गश्त के दौरान एनएच-52 मेहन्दवास कट पर रात्रि के समय में एक व्यक्ति के पास काला बैग होने पर शक होने पर उसकी तलाशी की गई। इस दौरान आरोपी सोनू राव पुत्र राजकुमार राव के कब्जे से 3 किलो 211 ग्राम मादक पदार्थ अफीम मिलने पर उसे गिरफ्तार किया।

वृद्ध महिला के साथ ठगी

अजमेर, (कासं)। नया बाजार निवासी एक वृद्धा के साथ ठगी की वारदात सामने आई है। शातिर ठग युवती ने वृद्धा को पेंशन दिलाने का झांसा देकर ई-रिक्शा में बैठाकर पुष्कर ले जाकर दो लाख रुपए कीमत के सोने के आभूषण हड़प लिए। मामले की शिकायत कोतवाली थाने में पीड़िता के बेटे ने दर्ज कराई गई है। जानकारी के अनुसार नया बाजार निवासी रामवतार सोनी ने कोतवाली थाने में मुकदमा दर्ज करवाते हुए बताया कि उसकी मां विजय लक्ष्मी प्रतिदिन सुभाष उद्यान में टहलने जाती हैं। गुरुवार को उद्यान में उन्हें एक युवती मिली, जिसने वृद्धा से दोस्ताना बातचीत शुरू कर दी। बातचीत के दौरान युवती ने वृद्धा को सरकारी पेंशन दिलवाने का झांसा दिया और अपनी बातों में उलझाकर उसे ई-रिक्शा में बैठाकर पुष्कर ले गई। सोनी ने बताया कि छोटे धड़े की नसियां के पास युवती ने वृद्धा के करीब दो लाख रुपए कीमत के सोने के आभूषण उतरवा लिए और पर्स में रखने का बहाना बनाया। इसके बाद वह वृद्धा को पुष्कर स्थित एक बैंक के पास कुछ देर तक बैठाए रही। बाद में युवती वृद्धा को अजमेर ले आई।

हनुमान नगर थाना के सिपाही पुलिस महकमे की साख को धूमिल करने पर उतारू

देवली, (निसं)। यहां शहर के निकटवर्ती हनुमान नगर थाना क्षेत्र में सरपट दौड़ रहे अवैध बजरी से भरे ट्रैक्टरों की शिकायत पर कॉलोनी वासियों को गैर जिम्मेदारना जवाब देकर पुलिस के सिपाही मुकेश कुमार ने पुलिस महकमें की साख कई गंभीर सवालिया निशान खड़े कर दिए हैं। हनुमान नगर पुलिस थाना में तैनात सिपाही मुकेश कुमार का कहना है कि बजरी से भरी ट्रैक्टर ट्रॉलीयों को रोकने का काम पुलिस का नहीं है। अगर जनता को इससे परेशानी है तो स्वयं ट्रेलर लाकर रोड के बीच में खड़ा कर देवे।

- **अवैध बजरी परिवहन को रोकने की शिकायत पर सिपाही बेतुका और गैर जिम्मेदारना जवाब दे रहे हैं**
- **आमजन से कहते हैं कि अवैध बजरी परिवहन से पुलिस का क्या लेना देना, तकलीफ हो तो जनता खुद रोड पर ट्रेलर लगा के रोक लेवें**

पुलिसकर्मी द्वारा ऐसे जवाब देने पर सवाल यह उठता है कि क्या आमजन से मिलने वाली शिकायतों को पर राहत और आम नागरिक की सुरक्षा कि जिम्मेदारी आखिरकार किसकी है। इसलिए कि यहां तो पुलिस अवैध बजरी परिवहन की फिक्रमंद बन गई है। ऐसे में अब यहां जनता शिकायत लेकर किसके पास जाए क्योंकि यहां पुलिस अवैध बजरी परिवहन पर कुछ सुनने को तैयार ही नहीं आखिर क्यों? ऐसे हालातों पर सोमवार को मामला यह सामने आया कि इन दिनों हनुमान नगर पुलिस थाना क्षेत्र के कोटा रोड पर स्थित कॉलोनी के मार्गो पर से अवैध बजरी से भरे ट्रैक्टर ट्रोलियां सरपट दौड़ रही हैं। सरपट दौड़ रहे इन ट्रैक्टरों ट्रॉलियों से गंभीर हादसा होने का भय कॉलोनीवासियों को काफी समय से सता रहा है। लेकिन पुलिस ऐसे मामले में कॉलोनी वासियों को राहत पहुंचाने की बजाय गैर जिम्मेदारना जवाब देकर उक्त मामले में कार्रवाई करने से पल्ला झाड़ते हुए दिखाई पड़ी है। ऐसे में नाम नहीं छापने की शर्त पर कॉलोनी वासियों ने बताया कि इस मामले और हालातों कि जानकारी क्षेत्रवासियों ने कई बार हनुमान नगर थाना पुलिस तक पहुंचाई, लेकिन पुलिस ने ऐसे हालातों पर कार्रवाई करने की जहमत आज तक नहीं उठाई। इससे साफ जाहिर होता है कि बजरी माफिया और पुलिस के बीच मिलीभगत बनी हुई है।

देवली में सरपट दौड़ते बजरी भरे ट्रैक्टर ट्रॉली। (फाइल फोटो)

मुकेश कुमार, सिपाही, पुलिस थाना हनुमान नगर, जिला भीलवाड़ा का कहना है कि अरे भई आप कौन हो क्या कहना चाह रहे हो ट्रेलर लगा दीजिए आप। बजरी के ट्रैक्टरों से हमारा क्या लेना देना, हमारा क्या काम है। भई क्या लेना देना। कुएं में गिरे यह सारे के सारे ट्रैक्टर वाले। यह कौन चला रहा है। आप खुद मालूम कर खुद रोक लो।

लोको पायलट की सूझबूझ से युवक बचा

जोधपुर, (कांस)। जोधपुर में बुधवार देर रात ट्रेन के लोको पायलट की सूझबूझ की वजह से एक युवक की जान बच गई। ओसियां में रेलवे ट्रैक पर एक युवक बेहोश पड़ा था। उसके दोनों हाथ बंधे थे। यह देखकर लोको पायलट ने इमरजेंसी ब्रेक लगाए। ट्रेन बेहोश पड़े युवक से कुछ इंच पहले जाकर रुकी। ओसियां थानाधिकारी राजेंद्र चौधरी ने बताया कि जोधपुर जीआरपी थाने से जीरो नंबर एफआईआर मिली थी। उसी आधार पर केस दर्ज किया है। पीड़ित कानाराम पुत्र कुशालाराम, निवासी इस्लामिया मदरसा के पास नयापुरा ओसियां ने बताया कि वह फैक्ट्री में काम करता है। साल 2024 में एक आदिवासी रैली के दौरान उसकी दोस्ती खींवसर निवासी अजीत सिंह से हुई थी।

श्रीगंगानगर में संदिग्ध गुब्बारा मिला

श्रीगंगानगर, (निसं)। भारत-पाकिस्तान सीमा से सटे श्रीगंगानगर जिले के घमुड़वाली थाना क्षेत्र में एक बार फिर संदिग्ध वस्तु मिलने से सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। देर रात पदमपुर क्षेत्र की चक 3 पीपी भूमि पर किसान के खेत में पाकिस्तानी एयरलाइंस का लोगो लगा एक बड़ा हरा गुब्बारा मिला, जिस पर उर्दू और अंग्रेजी में कुछ लिखा हुआ था। घटना के बाद पुलिस और खूफिया विभाग अलर्ट हो गए हैं।

जानकारी के अनुसार गुब्बारा चक 3 पीपी निवासी पतराम पुत्र मंगलाराम नायक के खेत में मिला। खेत की निगरानी के लिए गए 3 पीपी निवासी किसान मदनलाल ने सबसे पहले इसे देखा। जब पास जाकर उसने गुब्बारे पर लिखावट देखी तो उसे संदेह हुआ। मदनलाल ने घमुड़वाली थाना पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही घमुड़वाली थाने से हेड कॉन्स्टेबल सुरेन्द्र कुमार, कॉन्स्टेबल हरिराम और कॉन्स्टेबल श्यामसुंदर बिश्नोई मौके पर पहुंचे। पुलिस टीम ने खेत का निरीक्षण किया और संदिग्ध गुब्बारे को कब्जे में लेकर सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत उसे सील किया। गुब्बारे को थाने के मालखाने में सुरक्षित रूप से रखवा दिया गया है। पुलिस की प्राथमिक जांच में किसी तरह की संदिग्ध सामग्री या उपकरण गुब्बारे के साथ नहीं मिला, लेकिन पाकिस्तान से जुड़े लोगो और लिखावट के कारण मामले को गंभीरता से लिया जा रहा है। थानाधिकारी ने इसकी जानकारी उच्चाधिकारियों और खुफिया एजेंसियों को भी दी, जिनके निर्देश पर विस्तृत जांच की जा रही है।

अवैध शराब ठेका चलाने पर ग्रामीणों में आक्रोश

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर जिले के बयाना उपखंड क्षेत्र के गांव बिडयारी से नगला पुरोहित जाने वाले मार्ग पर कंटेनर में अवैध रूप से शराब ठेका चलाने के विरोध में बड़ी संख्या में ग्रामीण जिला कलेक्ट्रेट एवं जिला आबकारी कार्यालय पहुंचे, जहां नारेबाजी करने के साथ साथ अधिकारियों को ज्ञापन दिया और अवैध शराब ठेके को तत्काल हटाने की मांग की। हालांकि इससे पहले उपखंड अधिकारी को भी ग्रामीण ज्ञापन दे चुके हैं, लेकिन जब समस्या का हल नहीं हुआ तो जिला अधिकारियों को ज्ञापन देने को मजबूर हुए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यह कंटेनर गोदाम के नाम पर लगाया गया है, लेकिन इसकी आड़ में अवैध रूप से शराब की बिक्री हो रही है। इस रास्ते से प्रतिदिन छात्र-छात्राएं, महिलाएं, मजदूर, दुकानदार और अन्य आमजन आना-जाना करते हैं।

पेट्रोल पंप सेल्समैन की बदमाशों ने गोली मारकर हत्या की

दूदू, (निसं)। निकटवर्ती मरवा गांव के पास संचालित पेट्रोल पंप पर कार्यरत सेल्समैन की दो बदमाशों ने पेट्रोल के पैसे मांगने की बात को लेकर गोली मार कर हत्या कर दी।

पंप संचालक दातार सिंह ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज करवा कर अवगत कराया कि रात्रि को पेट्रोल पंप पर काले रंग की तर गाड़ी में दो जने सवार होकर आए तथा सेल्समैन शैतान सिंह से पेट्रोल भरवा लिया। पैसे मांगने की बात पर गाली-गलौच कर सिर पर गोली मारकर फरार हो गए। घटना की सूचना नरेना थाने में दी। मौके पर थाना प्रभारी धर्मसिंह गुर्जर मय जाप्ते के पहुंचे तथा घटना के बारे में उच्च अधिकारियों को अवगत कराया। शैतान सिंह को संत दादू दयाल राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में लाया गया जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। बदमाशों द्वारा इसी दौरान पानवा कला में भी फायरिंग की वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस ने नाकेबंदी कर बदमाशों को पकड़ने का प्रयास किया लेकिन सफलता नहीं मिली। परिजनों एवं आसपास के ग्रामीणों की भीड़ चिकित्सालय में जमा हो गई तथा अपराधियों को पकड़ने एवं पंप संचालक से मुवावजे की मांग की गई। मौके पर अ. पुलिस अधीक्षक शिवलाल बैरवा, पुलिस अधीक्षक अनुपम मिश्रा भी पहुंचे।

सेना के जवान विक्रम सिंह का अंतिम संस्कार

सूरजगढ़, (निसं)। थाना क्षेत्र के पालोता का बास गांव में गुरूवार को सेना के जवान विक्रम सिंह का नम आंखों से अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम संस्कार से पहले जब विक्रम सिंह की पार्थिव देह घर पहुंची तो पूरा माहौल गमगीन हो गया। विक्रम सिंह की 17 साल की बेटी साक्षी ने साफ कह दिया कि जब तक आरोपियों को फांसी की सजा नहीं हो जाती, ना तो वे कहीं जाएंगे और अपने पिता की पार्थिव देह ले जाने देंगे।

इसी दौरान साक्षी का छोटा भाई 14 वर्षीय निशांत भी भावुक हो गया। उसने भी अपने पिता को फांसी की सजा देने की मांग की और दो-तीन बार चिल्लाते हुए कहा कि मेरे पिता अब वापिस नहीं आएंगे और कहते-कहते रो पड़ा। जिसे मौजूद लोगों ने सांत्वना दी और सभी बच्चों को पार्थिव देह के अंतिम दर्शन कर साइड में ले जाया गया। इसके बाद जब अंतिम यात्रा रवाना हुई तो दोनों बच्चों ने अपने पिता को कांधा दिया और सेल्यूट भी किया। इससे पहले बीती रात को सूरजगढ़ थाने के बाहर धरने पर बैठे ग्रामीणों ने चिड़ावा डीएसपी विकास धींधवाल की समझाइश के बाद पार्थिव देह लेने और अंतिम संस्कार करने पर राजी हुए। गुरूवार सुबह राजकीय जिला बीडीके अस्पताल में रखी पार्थिव देह को ले जाया गया। सेना से आए फूलों से सजे ट्रक में पार्थिव देह को रखकर जब गांव ले जाया जा रहा था तो बुहाना-सूरजगढ रोड पर एक बार फिर ग्रामीण आक्रोशित हो गए। उन्होंने काकोड़ा पेट्रोल पंप के पास गाड़ियों को सड़क पर लगाकर जाम लगा दिया। मौके पर मौजूद एसएचओ हेमराज मीणा और सेना के अधिकारियों ने समझाइश की और करीब एक घंटे बाद जाम खुला। अंतिम संस्कार से पहले गांव के लोगों ने विक्रम सिंह के अंतिम दर्शन करते हुए श्रद्धांजलि दी। वहीं सेना से आई टुकड़ी ने गार्ड आफ आनर दिया। इस मौके पर बड़ी संख्या में मौजूद पूर्व सैनिकों ने भी आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग की।

पिता विक्रम सिंह की पार्थिव देह को बेटी साक्षी और बेटे निशांत ने कांधा दिया।

विक्रम सिंह पुत्र जगमाल सिंह निवासी पालोता का बास फिलहाल अबोहर पंजाब में 15 राज राइफल्स में कंपनी हवलदार मेजर पद पर तैनात थे। जो सात जून को छुट्टी पर गांव आए थे।

- **अंतिम संस्कार के समय जवान की बेटी और बेटे ने कहा कि पहले हत्यारों को फांसी दो**

10 जून मंगलवार रात को वह ड्यूटी पर जाने के लिए घर से निकले थे। रास्ते में स्कॉर्पियो सवार गांव के ही दो युवकों ने उन्हें जबरन गाड़ी में बैठाया और खुद के घर ले जाकर बेरहमी से मारपीट की। रात को परिजनों को सूचना मिली तो उन्होंने विक्रम सिंह को गांव के ही मकान के बाहर से अस्पताल तक पहुंचाया, जहां से उन्हें झुंझुनूं रैफर किया गया। झुंझुनूं में ईलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। बुधवार को भी इस मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर दिनभर धरना प्रदर्शन चला। इस मामले में पुलिस ने दो जनों को राउंडअप किया है। जिनसे पूछताछ की जा रही है। परिवार में विक्रम सिंह की पत्नी अमिला है। जबकि दो जुड़वा बेटियां 17 साल की साक्षी और छवि है। वहीं बेटा 14 साल का निशांत है।

गोयदानी देदानसर तालाब का जीर्णोद्धार कार्य शुरू

गोयदानी माहेश्वरी समाज के देदानसर तालाब पर जीर्णोद्धार कार्य के दौरान राधेश्याम गोयदानी, बृजरतन गोयदानी, कैलाश नाहर, ग्वालदास सांवल उपस्थित रहे।

जैसलमेर, (नि.सं)। वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत जिले में संचालित किए जा रहे वर्षा जल संरक्षण कार्यों की कड़ी में बुधवार को गोयदानी माहेश्वरी समाज के देदानसर तालाब पर जीर्णोद्धार कार्य प्रारम्भ किया गया। मातृभूमि से कर्मभूमि अभियान के तहत इस तालाब का जीर्णोद्धार कार्य जैसलमेर विकास समिति द्वारा प्रारम्भ करवाया गया है। भू-जल विभाग के मुख्य वैज्ञानिक डॉ. एन.डी. इणखिया ने बताया कि इस दौरान जैसलमेर शहर के इस ऐतिहासिक प्राचीन तालाब की आगोर में बबूल की झाड़ियां, कूड़ा कचरा एवं मलबा डालने के कारण इसका मूल स्वरुप बिगड़ गया था। जिसे अभियान के तहत मशीनों के द्वारा हटाने का कार्य शुरू किया गया। इस कार्यक्रम की शुरुआत तालाब के पूजन एवं श्रमदान के साथ की गई। इस अवसर पर समाजसेवी चंद्रप्रकाश शारदा, राधेश्याम गोयदानी, बृजरतन गोयदानी, कैलाश नाहर, ग्वालदास सांवल सहित माहेश्वरी समाज के अन्य प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।